मीडिया समन्वय कार्यालय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 19 जुलाई 2017

जेएमआई के दंत चिकित्सा विभाग ने एनआईआईटी में शीर्ष स्थान पाने वालों को किया आकर्षित

एमबीबीएस और बीडीएस के लिए राष्ट्रीय पात्रता एवं प्रवेश परीक्षा :एनआईआईटीः में शीर्ष स्थान पाने वाले छात्रों में से कइयों ने इस बार जामिया मिल्लिया इस्लामिया के दंत चिकित्सा विभाग में दाखिला लेने को प्राथमिकता दी है।

बीडीएस के लिए प्रथम पांच स्थान पाने वालों में से तीन ने जेएमआई में दाखिला लिया है और शेष दो ने बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय और अलिगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में। हालांकि बीएचयू और एएमयू में दशकों से दंत चिकित्सा की पढ़ाई हो रही है और जेएमआई में यह विभाग 2009 में ही शुरू हुआ है।

एनआईआईटी उत्तीर्ण करने वाले पहले 5000 उम्मीदवार बीडीएस की बजाय एमबीबीएस में दाखिले को प्राथमिकता देते हैं ।

इस शैक्षिक सत्र के लिए जेएमआई दंत चिकित्सा में प्रवेश लेने वालों की एनआईआईटी में शीर्ष रैंकिंग 5130 है जबकि पिछले साल यह रैंकिंग 12106 थी।

समझा जाता है कि मानव संसाधन विकास मंत्रालय के राष्ट्रीय संस्थान रैंकिंग फ्रेमवर्क :एनआईआरएफः द्वारा जेएमआई को 'ए ' रैंकिंग दिए जाने और एनएएसी

द्वारा देश के पहले 100 विश्वविद्यालयों में से जेएमआई को 12 वां स्थान दिए जाने से छात्रों के बीच इस विश्वविद्यालय के प्रति आकर्षण बढ़ा है।

जेएमआई के दंत चिकित्सा विभाग में पहले स्वयं की प्रवेश परीक्षा के जरिए दाखिले होते थे लेकिन पिछले साल से यह सीबीएसई द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर कराए जाने वाले एनआईआईटी प्रवेश परीक्षा के जरिए होने लगे हैं।

जेएमआई से बीडीएस करने वाले कई छात्रों ने इस साल पोस्ट ग्रैज्यूएशन के लिए अखिल भारतीय स्तर पर होने वाली संबंधित परीक्षा में सफलता हासिल करके प्रतिष्ठित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में भी दाखिले पाए हैं।

प्रो साइमा सईद

मीडिया कोऑर्डनैटर